भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. 3372
सोमवार, 9 अगस्त, 2021/18 श्रावण1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन केन्द्र के रूप में फरूखाबाद का विकास

3372. **श्री मुकेश राजपूतः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार पर्यटन की अपार संभावनाओं वाले क्षेत्रों को विकसित करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी मानकों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उत्तर प्रदेश का फरूखाबाद जिला पर्यटन क्षेत्र के अंतर्गत आता है;

(घ) यदि नहीं, तो जिला फरूखाबाद में स्थित संकिसा, कम्पील, बाबा नीमकारोडी धाम को पर्यटन केन्द्रों के रूप में विकसित करने के लिए साधनों का ब्यौरा क्या है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ङ): पर्यटन स्थलों की पहचान और उनका विकास प्रमुख रूप से राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन, तीर्थस्थल पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन योजना (प्रशाद) और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को उत्तर प्रदेश सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। योजनाओं के तहत परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है। विकास के लिए परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और उन्हें निधि की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी की गई धनराशि के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश में स्वदेश दर्शन योजना के तहत 9, प्रशाद योजना के तहत 6 और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना' के तहत 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, हालाँकि उत्तर प्रदेश के फरुखाबाद जिले के लिए कोई भी परियोजना पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

****